एक नजर में

भामाश्री ग्रुप इच्छापुर ने करवाए तिरूपती बालाजी दर्शन

इच्छापुर। ग्राम इच्छापुर के भामाश्री ग्रुप द्वारा 35 लोगों का ग्रुप बाफना परिवार द्वारा प्रति वर्षा नुसार इस वर्षभी सावन मास के पावन माह में गोकूल अष्टमी उत्सव पर तिरूपती बालाजी धाम रवाना हुवा। जहा भगवान बालाजी के दर्शन करके ग्राम इच्छापुर वापस लौटे। तत्पश्चात बाफना परिवार द्वारा भोजनप्रसादी कर सभी का मोतीयों की माला से स्वागत किया गया। इस मौके पर अशोक कुमार बाफन,मनोज कुमार बाफना, मुकेश कुमार बाफना, मयुर दिनेश बाफना मौजूद थे।

छोटे बालाजी मंदिर में गोकुल अष्टमी की रही धूम

बुरहानपुर। सिलमपुरा स्थित छोटे बालाजी मंदिर में गोकुल अष्टमी श्रीकृष्ण जन्माष्टमीद्ध का पर्व बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे। मंदिर के मुखियाजी दीपक पंड्या जी ने बताया कि रात 12 बजे श्रीजी का विशेष अभिषेक कर उन्हें फूलों से सजे पालने में विराजित किया गया। इसके पश्चात भगवान को माखन-मिश्री और पंजीरी का भोग लगाया गया और महाआरती की गई। आरती में प्रतिदिन आने वाले भक्तों में आशीष गौर, अमित बाहेती, दिलीप शाह, टीनू शास्त्री,सुरेश मिस्त्री आदि सहित बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित हुए। पूरे मंदिर परिसर को फूलों और आम के पत्तों से सजाया गया था। उक्त जानकारी मंदिर के मीडिया प्रभारी मोहन सिंह रघुवंशी ने दी।

धन्नु गुरुजी का 50 वर्ष पुराने छात्रों ने किया सम्मान

बुरहानपुर। मॉर्निंग वॉक ग्रुप के सदस्यों ने नागझिरी घाट के राम झरोखा मंदिर परिसर में अपनी प्राथमिक स्कूल के शिक्षक धन्नुजी नवलखे गुरुजी का शिक्षक दिवस के निमित्त आत्मीय अभिनंदन किया। उपस्थित सभी पचास वर्ष से अधिक उम्र के मॉर्निंग वॉक ग्रुप के साथीयो की उपस्थिति में,विशेष रूप से मौजूद प्रसिद्ध अधिवक्ता संतोष देवताले ने गुरुजी के सम्मान में अपनी भावनाएं अभिव्यक्त करते हुए कहा कि हमारे यह शिक्षक हमारे लिए और समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत का काम कर रहे हैंए जिन्होंने अनुशासित जीवनशैली के आधार पर यह प्रमाणित किया है कि यदि हम शरीर के प्रति और अपनी दिनचर्या के प्रति सजग हैं तो इक्यानवे वर्ष तक भी सुखीए स्वस्थ और निरोगी काया का जीवन यापन किया जा सकता है। आपने धनु गुरुजी के शतायु होने की कामना की।इस अवसर पर मॉर्निंग वाक ग्रुप के संचालक संजय शाह और मुकेश पाटीदार ने शिक्षक धननुजी नवलखे को शॉल श्रीफल और पुष्पमाला से अभिनंदन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

यह भी उल्लेखनीय है कि धनुजी नवलखे बुरहानपुर जिले के सबसे अधिक उम्र के स्वस्थ शिक्षक श्रेणी में सर्वाधिक समय तक पेंशन ग्रहण करने वाले पहले शिक्षक हैं। साथ ही साथ वे अभी तक 2000 से अधिक बच्चों को तैरना भी सिखा चुके हैं और इस उम्र में भी सुबह 5 बजे उठकर नागझीरी घाट पर पहुंचकर योग प्रणाम ध्यान के साथ इच्छुक बच्चों को तैराकी सिखाते हैं। इस अवसर पर गुरुजी के पढ़ाए हुए यह सभी विद्यार्थी अभिनंदन समारोह में मौजूद थेएजिनमे शामिल है संजय शाह एधर्मेश पाटीदार ए दिपेश मेहता ए संजय लाड ए रजनीश कोचर ए जितेंद्र दशोरे ए मनोज नवलखे ए नरेश कापड़ियाए नमन शाह ए अजय वाकडे ए मुकेश पाटीदारण्ण्ण् सभी ने अपने शिक्षक की चरण वंदना कर आशीर्वाद प्राप्त किया।इंजीनियर दिपेश मेहता ने इस आयोजन में पधारे सभी विद्यार्थी और गुरुजी के प्रति आभार की अभिव्यक्ति की!

लाइफ फॉर ह्यूमैनिटी ने किया संगीत शिक्षक सम्मान

बुरहानपुर। शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर 5 सितंबर को लाइफ़ फॉर ह्यूमैनिटी सोसाइटी द्वारा गुरुजनों के समर्पण,उत्कृष्ट मार्गदर्शन और योगदान को नमन करने के लिए एक गरिमामयी श्संगीत शिक्षक सम्मान समारोहश् का आयोजन किया गया। यह भव्य कार्यक्रम स्टेडियम ग्राउंड स्थित भारतीय स्कूल के संगीत महाविद्यालय परिसर में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान संगीत साधना और कला के क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले तथा चंडीगढ़ से श्संगीत विशारदश् की उपाधि प्राप्त शहर के वरिष्ठ संगीत साधकों को शॉल, श्रीफल एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मानित संगीत गुरुओं में डॉ.सतीश प्रतापसिंह वर्मा, अखिल दिनकर महमदपुरकर, आकाश कैलाश निकम, नामदेव भोयटे प्रमुख हैं। संस्था के अध्यक्ष तसनीम मर्चेंट ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संगीत की महत्ता पर बल दिया और कहा कि आज के तनावपूर्ण और भागदौड़ भरे दौर में संगीत सिर्फमनोरंजन का जरिया नहीं है, बल्कि यह आत्मिक सुकून, मन की शांति और मानसिक संतुलन का सशक्त साधन है। संगीत जीवन में सकारात्मक ऊर्जा भरता है। ऐसे दौर में जो गुरु हमारी नई पीढ़ी को इस पवित्र कला से जोड़कर भारतीय संस्कृति को सहेज रहे हैं,उनका सम्मान करना पूरे समाज के लिए अत्यंत गौरव की बात है।

समारोह को सफल बनाने में संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों फिरोज बेग, डॉ. यूसुफ खान, अताउल्ला खान और शगफ्तिन मिर्जा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन और अंत में सभी के प्रति आभार व्यक्त मोहम्मद मर्चेंट द्वारा किया गया।

वीर गोगादेव महाराज के जन्मोत्सव पर निकाला भव्य चल समारोह

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। गोगा नवमी के पावन अवसर पर वाल्मीकि समाज के आराध्य देव और लोकदेवता वीर गोगाजी महाराज के जन्मोत्सव पर शनिवार रात्रि बुरहानपुर में भव्य चल समारोह निकाला गया। इसमें विधायक और पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस सहभागी हुईं। उन्होंने समाजजनों के साथ श्रद्धा और आस्था के वातावरण में सम्मिलित होकर छड़ी का विधिवत पूजन किया। वीर गोगादेव से समस्त क्षेत्रवासियों के सुख, समृद्धि, शांति एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

गोगा नवमी के अवसर पर आयोजित चल समारोह में वाल्मीकि समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन उत्साह और अपार श्रद्धा के साथ शामिल हुए। चल समारोह में वीर गोगा जी महाराज के जीवन, शौर्य और लोकआस्था को प्रदर्शित करती आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। वीर गोगा जी महाराज के जयकारों, धार्मिक आस्था, पारंपरिक उल्लास और

मनमोहक झांकियों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। समाजजनों की अपनी लोकपरंपराओं के प्रति गहरी आस्था, उत्साह और सामाजिक एकता का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

विधायक अर्चना चिटनिस ने कहा कि गोगा नवमी केवल धार्मिक आस्था का पर्व ही नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध लोकपरंपराओं, संस्कारों और सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का अवसर भी है। ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन

समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ते हैं तथा नई पीढ़ी को हमारी गौरवशाली परंपराओं और जीवन मूल्यों से परिचित कराते हैं। उन्होंने कहा कि वीर गोगा जी महाराज का शौर्य, पराक्रम और लोककल्याण का संदेश हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका जीवन हमें सत्य, साहस,सेवा और समाजहित के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

विधायक अर्चना चिटनिस ने कहा कि समाज की वास्तविक शक्ति उसकी आस्था, संस्कार, परंपराओं और आपसी एकता में निहित होती है। जब हम अपनी सांस्कृतिक विरासत और लोकआस्थाओं से जुड़े रहते हुए समाजहित एवं सेवा के लिए कार्य करते हैं, तब सामाजिक समरसता और एकता और अधिक सुदृढ़ होती है। उन्होंने वीर गोगा जी महाराज से सभी के सुखए समृद्धि, शांति एवं मंगलमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि आस्था से शक्ति,संस्कारों से एकता और सेवा से समाज का उत्थान.यही हमारी सच्ची प्रेरणा और सहभागिता का भाव है।

इस अवसर पर समाजजनों ने विधायक अर्चना चिटनिस का आत्मीय स्वागत किया। चल समारोह में उनकी सहभागिता ने श्रद्धालुओं और समाजजनों के उत्साह को और अधिक बढ़ाया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, आस्था, आकर्षक झांकियों, लोकपरंपरा और सामाजिक समरसता का प्रेरक संगम देखने को मिला। इस अवसर पर महापौर माधुरी पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ.मनोज माने, पूर्व महापौर अतुल पटेल, चिंतामन महाजन, संभाजीराव सगर, धनराज महाजन, हेमेन्द्र महाजन, गजेन्द्र पाटिल, आदित्य प्रजापति, कालू जंगाले, धरम सौदे, रूद्रेश्वर एंडोले, शिवकुमार पासी, गौरव शिवहरे, राजकुमार वाघ, चिंटू राठौर, अक्षय मोरे, भरत रावल, संतोष गवई, अक्षय पाटिल, प्रशांत रावतोले एवं दर्शन पाटिल सहित अन्य जनप्रतिनिधि और समाज के प्रमुख और मुखिया उपस्थित रहे।

बचपन और लीलावती स्कूल में दादा-दादी संग भजन जैमिंग

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बचपन प्ले स्कूल एवं लीलावती पब्लिक स्कूल में ग्रैंड पैरेंट्स के साथ भजन जैमिंग का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक नितिन मेढे. ने भजनों से समां बांधा। स्कूल की संचालिका अभिलाषा ठाकुर ने बताया कि आज के मोबाइल युग में बच्चे दादा-दादी की कहानियों और लोरियों से दूर होते जा रहे हैं।इसी बात को ध्यान

में रखकर यह आयोजन किया गया। ताकि एक दिन ही सही बच्चे अपना समय अपने ग्रैंड पैरेंट्स के साथ बिताएं और अपनी संस्कृति से जुड़ें। जन्माष्टमी से अच्छा अवसर और क्या हो सकता है। कार्यक्रम में बच्चों ने मटकी फोड़ की और भजन जैमिंग में दादा.दादी के साथ खूब थिरके। कार्यक्रम शानदार एवं सफल रहा।

कटे-फटे होंठ और तालु वाले बच्चों के लिए नि:शुल्क जांच-ऑपरेशन शिविर

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। भारतीय रेडक्रास सोसायटी, जिला शाखा बुरहानपुर द्वारा मानवता की सेवा में एक सराहनीय पहल करते हुए जन्म से कटे-फटे होंठ और तालु की समस्या से ग्रसित बच्चों के लिए नि:शुल्क जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर स्व. नंदकुमारसिंह चौहान शासकीय जिला चिकित्सालय में लगा।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के ऐसे बच्चों को नई मुस्कान देना है,जो जन्मजात इस विकृति का शिकार हैं और पैसों के अभाव में इलाज नहीं करा पाते। होंठ और तालु कटे होने से बच्चों

को बोलने, खाने और सामान्य जीवन जीने में काफी कठिनाई होती है।

शिविर में पहुंचे मरीजों की जांच डॉ शिरीष चौधरी,एम.एस.जनरल सर्जरी मुंबई एवं उनकी टीम द्वारा की गई। शिविर मे 47 मरीजों की जाँच कर परामर्श दिया गया। जांच के बाद 8 चयनित बच्चों के सफल ऑपरेशन नि:शुल्क किया जाएगा। शिविर के शुभारंभ के अवसर पर डॉक्टर दर्पण टोक सिविल सर्जन सुमित बोरले चेयरमैन रेडक्रॉस सोसायटी और रेड क्रॉस पदाधिकारी मनोज टंडन, नीरज कक्कड़, रविंद्र गुप्ता, संतोष श्रॉफ , प्रभाकर चौधरी, राजेंद्र सलूजा, मुकेश पुर्वे, चंद्र प्रकाश पाटिल, स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर्स और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उन्होंने रेडक्रास सोसायटी के इस सेवा कार्य की सराहना की और कहा कि ऐसे शिविरों से जरूरतमंद लोगों को बड़ा संबल मिलता है। भारतीय रेडक्रास सोसायटी बुरहानपुर ने अपील की है कि यदि उनके आस-पास कोई भी ऐसा बच्चा या व्यक्ति हो जिसके होंठ या तालु कटे हों, तो वे जिला रेडक्रास कार्यालय या जिला चिकित्सालय में संपर्क कर इस नि:शुल्क योजना का लाभ उठा सकते हैं।

घर-घर गणेश गायत्री महायज्ञ की तैयारियों को लेकर शक्तिपीठ में बैठक

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। अध्यात्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला में बुरहानपुरवासियों के लिए एक भव्य आयोजन की तैयारी शुरू हो चुकी है। शहर में आगामी कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत आजए 6 सितंबर 2026 को सुबह 9.30 बजे शिकारपुरा थाने के सामने स्थित गायत्री शक्तिपीठ बुरहानपुर में एक विशेष कार्यकर्ता बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य गृह-गृह श्री गणेश गायत्री महायज्ञ के भव्य आयोजन को लेकर रूपरेखा तैयार करना था। बैठक में महायज्ञ के सफल संचालन के लिए पंजीयन प्रक्रियाए घर-घर संपर्क अभियान और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को सौंपी गई।

अखिल विश्व गायत्री परिवार,बुरहानपुर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस महायज्ञ का उद्देश्य घर.घर में सकारात्मक ऊर्जाए संस्कार और धार्मिक वातावरण का संचार करना है। शक्तिपीठ के प्रभारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने सभी उपस्थित सदस्यों से आह्वान किया कि

वे इस धार्मिक अनुष्ठान को जन.जन तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा और समयबद्धता के साथ अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को तिलक एवं कललावा बांधकर सेवा कार्यों में जुटने का संकल्प दिलाया गया। इस आध्यात्मिक और मंगलकारी आयोजन से जुड़ने के लिए स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा की जिला कार्यकारिणी घोषित

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक हेमंत खंडेलवाल , भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं निमाड़ संभाग प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा, प्रदेश मंत्री एवं जिला प्रभारी क्षितिज भटट जी के निर्देशानुसार एवं जिला अध्यक्ष डॉ. मनोज माने की सहमति से भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिला ब्रम्हपुर की जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई।

जिलाध्यक्ष राजकुमार वाद्य ने अपनी कार्यकारीणी की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष शिवचरण धानुक , पवन लहासे, साहेबराव शंखपाल, धरम सौदे , संतोष गवई , बंटी मार्शल, महामंत्री डॉ. सुनिल मोरे और दिवाकर सपकाले, मंत्री लता गोकुल तायड़े, छाया गुडगे, बाडू मसाने, मनोज पहलवान , विनोद सिरकरे , श्याम सारवान , मीडिया प्रभारी प्रकाश तायडे , मीडिया सह प्रभारी निलेश कतारिया , कोषाध्यक्ष विनोद कोली,सह कोषाध्यक्ष सागर तायड़े, कार्यालय मंत्री दीपक सिरतूरे, कार्यालय सह मंत्री सुजित कोचुरे ,सोशल मीडिया प्रभारी आकाश बसेरे , सोशल मीडिया सह प्रभारी दिनेश पासी , आईटी सेल प्रभारी जैकी मेहरा , आईटी सेल सह प्रभारी ओमप्रकाश कबरकर , मन की बात प्रभारी सुरेश लोंढे,मन की बात सह प्रभारी श्री संजय काठोटे को बनाया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को सांसद ज्ञानेश्वर पाटील, पूर्व कैबिनेट मंत्री एंव बुरहानपुर विधायक अर्चना चिटनिस, नेपानगर विधायक मंजु राजेन्द्र दादु सहित समस्त जनप्रतिनिधि, जिला, मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने बधाई और शुभकनाएं दी।

नावरा रेंज के गोराड़िया में दिखा तेंदुआ, पैदल और वाहन से वन विभाग की गश्त

नवभारत न्यूज, बुरहानपुर। बुरहानपुर में नावरा रेंज में वन विभाग अवैध कटाई, अतिक्रमण, शिकार और वनोपज के गैरकानूनी परिवहन को रोकने के लिए लगातार गश्त कर रहा है। विभाग की टीमें सुबह से फील्ड में पहुंचकर निगरानी कर रही हैं, जबकि रात में भी गश्त जारी है। संवेदनशील रास्तों पर वाहनों की चेकिंग की जा रही है।

वन विभाग का अमला पैदल और दोपहिया वाहनों से भी गश्त कर रहा है। कई ऐसे इलाके हैं जहां वाहन अंदर तक नहीं पहुंच पाते, इसलिए वनकर्मी पैदल ही निगरानी करते हैं। गश्त में विशेष सशस्त्र बल भी सहयोग

कर रहा है। मानसून के दौरान अतिक्रमण वाले क्षेत्रों में नए अतिक्रमण के प्रयासों को रोकने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। पिछले वर्षों में नावरा रेंज में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई हुई थी, जिसके चलते बारिश के मौसम में यहां गश्त बढ़ाई गई है। शनिवार को भी वन विभाग की टीमों ने अलग.अलग क्षेत्रों में गश्त की।

गोराड़िया में 3.4 दिन से तेंदुए की हलचल:-गोराड़िया गांव में पिछले 3.4 दिनों से खेतों के आसपास तेंदुए की हलचल देखी जा रही है। वन विभाग की टीम यहां भी रात में गश्त कर रही है। एक ही स्थान पर लगातार तेंदुआ दिखाई देने के बाद उसे पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की अनुमति भोपाल से मांगी गई है।

रात में अकेले नहीं निकलने की अपील:-रेंजर पुष्पेंद्र जादौन ने बताया कि वन क्षेत्र में गैरकानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए पैदल गश्त और वाहनों की चेकिंग की जा रही है। रात में भी निगरानी रखकर नए अतिक्रमण रोका जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से रात में अकेले बाहर नहीं निकलने की अपील की है। जरूरी होने पर समूह में निकलने और दोपहर में खेतों में काम करते समय भी झुंड में रहने की सलाह दी गई है। लोगों को सतर्क रहने के लिए कहा जा रहा है।

उड़ान लिनेस क्लब ने किया जीनियस स्कूल के शिक्षकों का सम्मान

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। उड़ान लिनेस क्लब की फाउंडर लिनेस रफत आसिफखान के नेतृत्व में दिनांक 5 सितंबर 2026 को पूर्व राष्ट्रपति महान शिक्षाविद

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर लिनेस सदस्य आशिया मंसूरी के सहयोग से ए आई जीनियस स्कूल के शिक्षकों का सम्मान शॉल श्रीफल मोती की माला फूल बेस्ट टीचर्स अवार्ड और उपहार देकर किया गया। बच्चों को चॉकलेट बाटी गई। शिक्षकों को उपहार भी दिए ,साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष सरोज ठाकुर, उपाध्यक्ष इशरत सिद्दीकी, अंजू काटरवार, मंगला दुबे, शगुफ्ता, संगीता चौधरी, शिक्षिका सिज़ान, नुसरत, साईड्रा एउज्मा, रुकसाना, तरनूम, मदीहा, अबीबा सहित अन्य शिक्षक स्टाफ एवं बच्चे उपस्थित रहे। आयोजन आशिया मंसूरी द्वारा किया गया। संचालन बच्चों द्वारा किया गया अंत में सभी के लिए भोजन व्यवस्था भी की गई । सहेली ग्रुप की ओर से अध्यक्ष मंगला दुबे द्वारा स्कूल के प्रबंधन समिति का धन्यवाद किया।

एक नजर में

दीदी की राखी ने बांधी स्नेह, विश्वास और राष्ट्र संकल्प की डोर...

स्नेह, विश्वास और आत्मीय रिश्तों को सहेजने वाली बन चुकी है 28 वर्ष पुरानी परंपरा

नवभारत न्यूज,

बुरहानपुर। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर बुरहानपुर की दीदी की राखी अब केवल एक राखी भेजने की परंपरा नहीं, बल्कि स्नेह, विश्वास और आत्मीय रिश्तों को सहेजने वाली 28 वर्षों पुरानी परंपरा बन चुकी है।

विधायक, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अर्चना चिटनिस की ओर से हर वर्ष बुरहानपुर और नेपानगर विधानसभा के प्रत्येक बूथ से लेकर लोकसभा क्षेत्र, प्रदेश और देशभर में 1 लाख से अधिक स्नेही बंधुजनों तक विशेष संदेश के साथ रक्षा सूत्र भेजे जाते हैं। रक्षाबंधन के दिन बड़ी संख्या में भाई इस रक्षा सूत्र को अपनी कलाई पर बांधकर इस आत्मीय रिश्ते को निभाते हैं।

इस वर्ष भी 1 लाख 18 हजार से अधिक रक्षा सूत्र स्नेही बंधुजनों तक पहुंचाए गए। यह रक्षा सूत्र केवल रेशम की डोरी नहीं, बल्कि वर्षों से कायम स्नेह, विश्वास, अपनत्व और पारिवारिक रिश्ते का प्रतीक बन चुका है। इस परंपरा की खास बात यह है कि रक्षा सूत्र केवल डाक या किसी

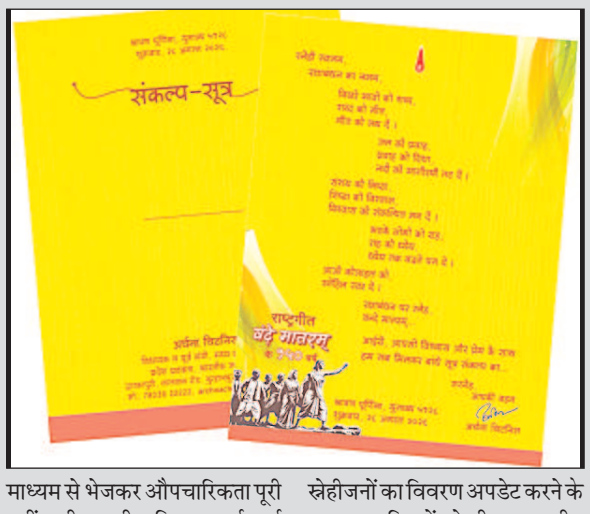

माध्यम से भेजकर औपचारिकता पूरी नहीं की जाती,बल्कि कार्यकर्ता अपने.अपने क्षेत्र के स्नेहीजनों, नागरिकों, सहयोगियों और परिवारों के घर.घर पहुंचकर स्वयं रक्षा सूत्र और संदेश देते हैं। इससे राखी के साथ व्यक्तिगत संपर्क और आत्मीयता का भाव भी जुड़ जाता है।

दीदी की राखी से जुड़े स्नेहीजनों के नाम और पते की सूची का हर वर्ष नवीनीकरण किया जाता है। पुराने स्नेहीजनों का विवरण अपडेट करने के साथ नए परिवारों को भी इस आत्मीय रिश्ते में जोड़ा जाता है। इस निरंतर प्रक्रिया ने 28 वर्षों में इस परंपरा को लगातार विस्तार दिया है।

इस रिश्ते की गहराई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यदि किसी कारणवश किसी भाई के घर दीदी की राखी नहीं पहुंच पाती, तो वह सीधे अर्चना चिटनिस से संपर्क कर अपनी नाराजगी भी व्यक्त करता है। यह नाराजगी भी दरअसल उस आत्मीय अधिकार और रिश्ते की अभिव्यक्ति है, जिसे वर्षों में मजबूत किया गया है।

वहीं, किसी स्नेही भाई के दुनिया छोड़ जाने के बाद भी यह रिश्ता समाप्त नहीं होता। उसके परिवार को भी रक्षा सूत्र और शुभकामना संदेश भेजा जाता है। इस तरह व्यक्ति के साथ बना रिश्ता उसके परिवार तक आगे बढ़ता है और स्नेह की यह डोर निरंतर कायम रहती है।

राखी के साथ इस वर्ष राष्ट्र संकल्प का संदेश:-इस वर्ष दीदी की राखी के साथ भेजे गए विशेष संदेश में रक्षा सूत्र को राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ा गया है।

संदेश में कहा गया कि संशय को निष्ठा, निष्ठा को विश्वास, विश्वास को संकल्पित मन दें। भटके लोगों को राह,राह को ध्येय और ध्येय तक बढ़ते कदम दें। संदेश के माध्यम से आपसी विश्वास और प्रेम के साथ राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को निभाने का आह्वान किया गया। प्रत्येक व्यक्ति अपने पुरुषार्थ,परिश्रम और सेवा से राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे.इस भावना को रक्षा सूत्र के साथ घर-घर पहुंचाया गया।

वंदे मातरम् के 150 वर्ष का गौरव भी संदेश में

इस वर्ष राखी के साथ भेजे गए कार्ड में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने की गौरवपूर्ण स्मृति को भी स्थान दिया गया है। कार्ड पर अंकित पंक्तियां. रक्षाबंधन पर स्नेह, वंदे मातरम... आइये,आपसी विश्वास और प्रेम के साथ हम सब मिलकर बांधें सूत्र संकल्प का... रक्षाबंधन के पारिवारिक स्नेह को राष्ट्रभक्ति और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना से जोड़ती हैं। साथ ही भारतीय संस्कृति और अपनी गौरवशाली परंपराओं के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया। विक्रम संवत 2083 का हिंदू नववर्ष 19 मार्च 2026 को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ हुआए जिसका उल्लेख कार्ड के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना से जोड़ते हुए किया गया। 28 वर्षों से चली आ रही दीदी की राखी की यह परंपरा आज रिश्तों को राजनीतिक पहचान से आगे ले जाकर आत्मीय पारिवारिक संबंधों में बदलने का माध्यम बन गई है। बुरहानपुर और नेपानगर के बूथ स्तर से शुरू होकर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचने वाला यह रक्षा सूत्र हर वर्ष हजारों परिवारों को एक ही भाव से जोड़ता है.स्नेह, विश्वास, अपनत्व और राष्ट्र के प्रति संकल्प। रक्षा सूत्र की यह डोर संदेश देती है.रिश्तों में विश्वास हो, मन में संकल्प हो, कर्म में सेवा हो और हृदय में राष्ट्र सर्वोपरि हो।